RRB ALP & TECHNICIAN 2024
&
झारखण्ड पुलिस भर्ती
Pilot Batch (CBT- 1&2)
सेवक बैच
ROJGAR WITH ANKIT
HISTORY
गुलाम वंश
LIVE 27-03-2024 09:00 AM

गुलाम वंश / दासवंश / मामलुक वंश :- 1206-1290 AD

⇒ 1206-1290 ई० तक तीन राजवंशों के शासकों ने शासन किया था।

① कुतुबी वंश → 1206-1210

② शम्सी वंश :- 1210-1266

③ बलबनी वंश :- 1266-1290

प्रमुख शासक :-

⇒ **कुतुबुद्दीन ऐबक** :- (1206-1210 AD) ⇒ गुलाम वंश का संस्थापक

⇒ ऐबक के माता-पिता तुर्किस्तान के तुर्क थे, तुर्की भाषा में ऐबक अर्थ :- चन्द्रमा का देवता

⇒ मुहम्मद गौरी ने 'अमीर-ए-आखूर' (शाही घुड़सवार का अधिकारी) पद प्रदान किया।

⇒ कुरान का अत्यन्त सुरीली आवाज मे पाठ करने के लिए ऐबक को कुरानखाँ नाम से जाना जाता है

⇒ राज्याभिषेक :- 25 JUNE 1206 ई० को लाहौर में

राजधानी :- लाहौर

26, 24

⇒ भारत में तुर्की राज्य का संस्थापक माना जाता है।

⇒ उपाधि :- मलिक और सिपहसालार

⇒ ऐबक की उदारता एवं दानशीलता के कारण लाखबख्श तथा हाथियों का दान देने के लिए पीलबख्श के नाम से जाना जाता है।

⇒ कुतुबमीनार की नींव :- अवस्थिति :- दिल्ली

⇒ याद :- सूफी संत ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी

→ निर्माण कार्य पूरा करने का श्रेय :- इल्तुतमिश

⇒ भारत की प्रथम मस्जिद :- कुव्वत-उल-इस्लाम :- दिल्ली

→ प्रथ्वीराज चौहान तृतीय के किले रायपिथौरा गढ़ के स्थान)

⇒ अढ़ाई दिन का झोपड़ा (मस्जिद) :- अजमेर

→ विग्रहराज वीसलदेव चतुर्थ द्वारा निर्मित संस्कृत महाविद्यालय के स्थान पर

⇒ प्रसिद्ध दरबारी विद्वान :- हसन निजामी, फखरुमुद्दीर

मृत्यु :- 1210 ई॰ में लाहौर में पोलो (चौगान) खेल खेलते समय घोड़े से गिरकर

→ दफनाया :- लाहौर

(2) आराम शाह :- 8 माह शासन

③ इल्तुतमिश :- 1210 – 1236 AD (1211)

⇒ इल्तुतमिश का शाब्दिक अर्थ :- साम्राज्य का स्वामी

⇒ पिता का नाम :- ईलाम खाँ (तुर्क सरदार)

⇒ इल्तुतमिश को दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।

⇒ राजधानी :- दिल्ली (गद्दी पर बैठने वाला प्रथम मुसलमान था)

⇒ ऐबक की मृत्यु के समय इल्तुतमिश बदायूँ का सूबेदार था।

⇒ अन्य नाम :- सुल्तान-ए-सईद, गुलामो का गुलाम, मकबरो का पितामह

⇒ कुतुबमीनार का निर्माण कार्य पूरा करने का श्रेय जाता है।

Imp ⇒ इक्ता व्यवस्था की शुरुआत :- इल्तुतमिश

↳ भाषा :- अरबी भाषा । → शाब्दिक अर्थ :- भूमि

⇒ इल्तुतमिश ने चाँदी का टंका व ताँबे का जीतल नामक सिक्को का प्रचलन किया, दिल्ली में टकसालो की स्थापना की।

⇒ भारत में शुद्ध अरबी के सिक्को का प्रचलन इल्तुतमिश ने करवाया था।

⇒ चंगेज़ खॉ का आक्रमण :- 1221

↳ वास्तविक नाम :- तिमुचिन

⇒ तुर्कान-ए-चहलगामी (40 सरदारो का गठन) किया था।